# पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारियों का सम्मेलन

पश्चिम रेलवे के चर्चगेट स्थित प्रधान कार्यालय में 17 जून, 2011 को पश्चिम रेलवे के सभी वरिष्ठ संरक्षा अधिकारियों के सम्मेलन का आयोजन किया गया।

इस सम्मेलन में पश्चिम रेलवे के तत्कालीन महाप्रबंधक श्री कुल भूषण तथा अन्य प्रमुख विभागाध्यक्ष मौजूद थे। सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए महाप्रबंधक श्री कुल भूषण ने पश्चिम रेलवे के संरक्षा निष्पादन की सराहना की, जो पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष बेहतर रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रेनों के परिचालन में संरक्षा को सुनिश्चित करते हुए निरंतर और कड़ी मेहनत करते रहना चाहिये। उन्होंने सलाह दी कि संरक्षा अधिकारियों को और अधिक सतर्क रहना चाहिये तथा ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन को सुनिश्चित करने में सक्रिय रूप से उनकी भागीदारी होनी चाहिये।

★ पश्चिम रेलवे के तत्कालीन महाप्रबंधक श्री कुल भूषण वरिष्ठ संरक्षा अधिकारियों के सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए। साथ में पश्चिम रेलवे के मुख्य परिचालन प्रबंधक श्री अमिताभ लाल एवं मुख्य संरक्षा अधिकारी श्री एस. के. कुलश्रेष्ठ भी दिखाई दे रहे हैं।

श्री कुल भूषण ने रात्रि निरीक्षण, समपार निरीक्षण तथा कार्य स्थलों के निरीक्षण के महत्त्व पर भी प्रकाश डाला। महाप्रबंधक ने कर्मचारियों को निरंतर संरक्षा परामर्श देने तथा उनके कार्य निष्पादन की मॉनिटरिंग के साथ ही कर्मचारियों के समयबद्ध प्रशिक्षण तथा पुनश्चर्या प्रशिक्षण पर भी ज़ोर दिया।

# "विश्व तम्बाकू निषेध दिवस" के अवसर पर प्रदर्शनी का आयोजन

पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) श्री एस. के. जैन द्वारा 30 मई, 2011 को 'विश्व तम्बाकू निषेध दिवस' के अवसर पर चर्चगेट रेलवे स्टेशन परिसर में दो दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इस प्रदर्शनी के आयोजन का लक्ष्य जनता को तम्बाकू के सेवन से होने वाली बुराइयों तथा खतरों से अवगत कराना था। इस अवसर पर पश्चिम रेलवे के मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. सुहास नांदगावे, मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री गिरीश पिल्लई के साथ अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। यह प्रदर्शनी मंगलवार, 31 मई, 2011 को भी खुली रही।

★ पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक श्री एस. के. जैन 'विश्व तम्बाकू निषेध दिवस' पर प्रदर्शनी का उद्घाटन तथा अवलोकन करते हुए। साथ ही पश्चिम रेलवे के मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. सुहास नांदगावे भी नज़र आ रहे हैं।

# पश्चिम रेल के अधिकारियों हेतु हिंदी कार्यशाला का आयोजन

पश्चिम रेलवे प्रधान कार्यालय, चर्चगेट में 2 फरवरी, 2011 को अधिकारियों के लिए 'एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला' का आयोजन किया गया, जिसमें प्रधान कार्यालय के विभिन्न विभागों के 18 अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्घाटन पश्चिम रेलवे के मुख्य राजभाषा अधिकारी-व-मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री के.के. अटल ने किया। उन्होंने कहा कि यदि अधिकारी हिंदी में काम करने की पहल करेंगे तो उनके अधीनस्थों को भी इससे प्रेरणा मिलेगी। इसके साथ ही कार्यालयीन कार्यों में सरल भाषा का प्रयोग करने की अपील भी की तथा बताया कि सरकार की नीति का आधार प्रेरणा और प्रोत्साहन है। इस कार्यशाला में प्रमुख वक्ता के रूप में श्री धीरेन्द्र कुमार झा, पूर्व उप महाप्रबंधक (राजभाषा), मध्य रेल ने अधिकारियों द्वारा हिंदी डिक्टेशन में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली और वाक्यांशों की उपयोगी जानकारी दी। प्रतिभागियों को सहायक साहित्य के साथ पश्चिम रेलवे की गृह पत्रिका 'रेल दर्पण' के 'हीरक जयंती विशेषांक' की अद्यतन प्रति भी वितरित की गई।

दोपहर के सत्र में ब्रह्मकुमारी निधि बहन ने 'कार्यस्थल पर सम्बंधों को सुमधुर बनाकर कार्यों में प्रगति करने' के विषय पर रोचक जानकारी देते हुए प्रतिभागियों को लाभान्वित किया। श्री के. पी. सत्यानंदन, उप महाप्रबंधक (राजभाषा), पश्चिम रेलवे ने 'कम्प्यूटर पर हिंदी यूनिकोड फॉन्ट को सक्रिय करने' की जानकारी दी। फीड बैक सत्र में प्रतिभागी अधिकारियों ने इस कार्यशाला को अति उपयोगी एवं ज्ञानवर्द्धक बताया। डॉ. रोशनी खुबचंदानी, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी ने सभी अधिकारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि वे अपना कार्य हिंदी में करना शुरू तो करें, धीरे-धीरे उसमें आने वाली समस्याएँ अपने आप कम होती जायेंगी, क्योंकि हिंदी एक आसान और प्रभावशाली भाषा है। कार्यशाला की समाप्ति उपस्थितों की विभिन्न प्रकार की जिज्ञासाओं के समाधान के साथ हुई।

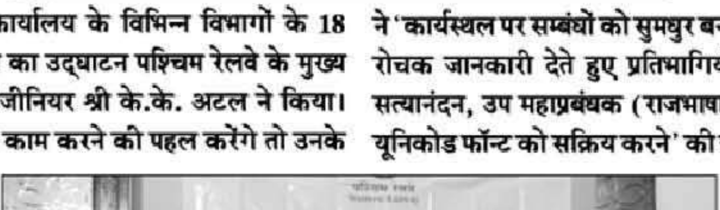


★ पश्चिम रेलवे के प्रधान कार्यालय में आयोजित हिंदी कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए प्रमुख वक्ता श्री धीरेन्द्र कुमार झा। उनके साथ पश्चिम रेलवे के मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री के. के. अटल तथा वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी डॉ. रोशनी खुबचंदानी भी दिखाई दे रही हैं।